

सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा राज पाठ सब छोड़ दिया

सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा राज पाठ सब छोड़ दिया
सत्य निभाने राजा हरिश्चंद्र अपने सुख को छोड़ दिया
सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा राज पाठ सब छोड़ दिया

राज कोस सब दान मैं ले लिया साधु स्वप्न मैं आकर के
राजन अपना वचन निभाओ या तू उसको तोड़ दिया
सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा...

पत्नी के संग मैं बेटे को ब्राह्मण के घर बेच दिया
राजा ने फिर खुद को भी भंगी हाथो सौप दिया
सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा...

काले नाग ने काट लिया जब रोहित लेने फूल गया
लाश को लेकर तारा पहुंची देख के मन मैं रुदन किया
राजा मांगे मरघट का कर, रानी नै मुखड़ा मोड़ लिया
सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा...

उस गयो कालो रे कंवर रोहितास नै
छाती भर आवे बेटा देखूं तेरी लाश नै

कर मैं कहा से दूंगी स्वामी कफन का भी कोई थोर नहीं
वचन निभाएंगे हम रानी इसके आगे जोर नहीं
सत्य धर्म पर दुनिया तज दी, अब क्यों दिल को तोड़ दिया
सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा ...

कोई सोवे सुख की निंदा,
कोई जुर जुर रोवे,
राम करे सो होवे

साडी का कर रूप मैं देने रानी हाथ लगाया है
काँप उठा इन्द्रासन भी, जब राजन हाथ बढ़ाया है
"प्रेम" कहे मुनि धन्य धन्य तू, सत्य से नाता जोड़ लिया
सत्य ना छोड़ा धर्म ना छोड़ा ..

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17033/title/satya-na-choda-dharm-na-choda-raj-path-sabh-chod-diya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |